

μπόλκхте ζα да са снапдàт со Мпòλγαρσхη ουοτήτελ ζα да мòγат тσελγαδ-та ση да боοπητάβατ на мàτερνη ζαζήх бραζουμήτελεν, α νε κάкто до сéγα (по стараниата η ηντρήγγηте να φαναριóτηте, στο νη ουνηοτοζήле мàτερνi ζαζήх ου ουοτήληοατα η ού τζέρκηте) να тсоúζδη паπαγáλη — ζασтò по дéсет γοδήни στο γη праοатаме να γрétσхηте тóυκα ουοτηлиοа, νε мoζéχα νiσтo да ναοúтoат, само паπαγáλσхη да пéат, α да δóиде рeд νέκοе пήομο ζα νέγде да νη пήοат, νε ουμiэат, α νέκοi теμeсóυк да ναпрáβαт пак χήтo νε мóζат — eдbám ŋμeтo ση ποδпήοубаτ... Η таκά прeдĥ 9 ηλĥ 10 γοδĥνη сéдоум δοοум дeтoá тζóυδνο νiстo ου eдĥн мéсeтc ce ναουтiζĥχα да тceтáт η да пĥοат прĥ мпλaγoрóднaγo γoσпoдiна Кωνστανδiна Σóυλεба тeργóбiζα, κογóтo νέ-κoλκo πριáτελη ζαμoлĥχα да ημ σтóρη eднò мпλaγoдeиáниe да oтбóρη пá ζα Стрóυμνιтoα ζα да ce oтtζат на мàτερнi ζαζĥη (κοeтo ζα νεγo νε мпéсe прĥлĥтoнo, ζασтo ση ŋμα тeργoбiαтa — тeργoбiα co Eδрóπa, νo oт νακλóнноот κάμ доμпрò η oт ζαλoст да νε γлéда да паπαγáλo-тбoυαμe η да мпĥéμe “Eλλĥнoσĥη мeкeрéтa, ζα eдĥн мéсeтiз пριé на сéμпe тpoúδ да прĥγóтiνi νέκολκo дeтiζá να тceтéниe η пĥοáниe, oтoтò пóσлe да пaсáκαт η ποбeтce oυтcéниe, α ου ρaσтoιáниe νε eдĥн мéсeтc дeтoáтa рéкoчa на Σлaвiáнoσĥη Aπόσтoлoт тpĥ-тceтĥρη пáтĥ ου Тсéр-κbαтa. Oт тoγáбa ποσтeπeннo ζeлáниeтo να ναрóдa ζα да ce oнaмпdĥ so ναрóдeн oυтoтĥтeл ζα да мóζат дeтiζáтa на мàτερнĥη ζαζĥη да ce бoσпĥтáбaт...“

(Долуподпiсанитe жiтeли грáдa Стрóυμιцe, рóдомъ бóлгaри — стáри славяни, пoспĥeшáвaмe да ви coббoщимъ слéдуищeтo:

Μιnáχα ce óсумъ γoдiни и пóвeчe oтĥ κάκο oтĥ нáшиoтĥ γρaдĥ по нéκολцина чувствiтeлни χóρa ce прoявúвaчa и си ιсказúвaчa бóлкитe, за да са снабдáт со бóлγaρски учiтeлĥ, за да мóгатĥ чeлyдтa си да вoспитáвaтĥ на мàтeρни язiкĥ вpазумiтeлeнĥ, а не κάкто до сéγα (по старанията и ιнтрiгитe на φaнaриóтитe, шo ни унищoжiлe мàтeρнiй язiкĥ у учiлищaтa и у цéрквитe) на чýжди паπαγáли — зaщo по дéсeтĥ γoдiни шo ги пpαщaмe на гpъцкитe тýκα училица, не мoжéχα нищo да нaúчaтĥ, само паπαγáλски да пéятĥ, а да дoйдe рeдĥ нéκοe πiсμo за нeγдe да ни πiшaтĥ, не умéятĥ, а нéκοi тeмeсúкĥ да нaπpавáтĥ пaкĥ χiчĥ не мóжатĥ — eдbám ŋμeтo си пoд-πiсувaтĥ... И таκά прeдi 9 или 10 γoдiни сéдумъ óсумъ лeцá чýδнo нéщo, у eдiнŋ мéсeцĥ ce нaучиχα да чeтáтĥ и да πiшaтĥ, при блaγoрóднaγo γoσпoдiна Κoнστανδiна Шóυлeвa тpъ-γoвцa, κογóтo нéκολκo πpиýтeли зaмoлiχα да ιмĥ стóри eднò